पाठ 2: तुलसीदास (राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद)

प्रश्न 1: लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं?

RBSE 2022 RBSE 2026

लक्ष्मण ने परशुराम को एक सच्चे वीर योद्धा की निम्नलिखित विशेषताएँ बताईं:

1. वीर योद्धा युद्ध भूमि में अपनी वीरता का **प्रदर्शन कार्य (युद्ध) करके दिखाते हैं**, वे अपने मुँह से अपनी बड़ाई स्वयं नहीं करते। कायर लोग ही शत्रु को सामने पाकर डींगें हाँकते हैं।

2. सच्चे वीर धैर्यवान होते हैं और वे कभी क्रोध में आकर अपशब्द (गालियाँ) नहीं बोलते।

3. क्षूरवीर योद्धा **ब्राह्मण, गाय, देवता और भगवान के भक्त** पर अपने शस्त्र नहीं उठाते, क्योंकि इन्हें मारना पाप है।

प्रश्न 2: परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की प्रतिक्रियाओं के आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

RBSE 2020

Most Important

श्रीराम का स्वभाव: श्रीराम अत्यंत शांत, विनम्र, शीलवान और मर्यादा-पुरुषोत्तम हैं। परशुराम के भयंकर क्रोध के सामने भी वे धैर्य नहीं खोते। वे अत्यंत मीठी व आदरपूर्ण वाणी में बात करते हैं और स्वयं को परशुराम का 'दास' (सेवक) बताते हैं।

लक्ष्मण का स्वभाव: लक्ष्मण उग्र, निडर, स्पष्टवादी और व्यंग्य करने वाले हैं। वे परशुराम की धमकियों से ज़रा भी नहीं डरते। वे अन्याय या अनुचित बातों का तुरंत कड़ा और तार्किक जवाब देते हैं। उनका वाक्चातुर्य परशुराम के क्रोध की आग में घी का काम करता है।

प्रश्न 3: 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है।' इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

RBSE 2024

साहस और शक्ति मनुष्य के महान गुण हैं, लेकिन यदि इनके साथ विनम्रता न हो, तो मनुष्य **अहंकारी और अभिमानी** बन जाता है। परशुराम के पास असीम साहस और शक्ति थी, परन्तु विनम्रता की कमी के कारण वे सभा में क्रोध का प्रदर्शन कर रहे थे, जिससे उनकी महानता कम हो रही थी। दूसरी ओर, श्रीराम में साहस और शक्ति के साथ-साथ अत्यंत विनम्रता भी थी। श्रीराम की विनम्रता ने ही आख़िरकार परशुराम के प्रचंड क्रोध को शांत किया। अतः विनम्रता व्यक्ति को पूजनीय बनाती है।

प्रश्न 4: परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा?

RBSE 2023

परशुराम ने क्रोधित होकर अपने बारे में सभा में निम्नलिखित बातें कहीं:

1. मैं बाल ब्रह्मचारी हूँ और मेरा स्वभाव अत्यंत क्रोधी है। सारा विश्व जानता है कि मैं क्षत्रिय कुल का घोर शत्रु हूँ।

2. मैंने अपनी भुजाओं के बल से इस पृथ्वी को कई बार क्षत्रिय राजाओं से विहीन (रहित) कर दिया है और वह भूमि ब्राह्मणों को दान में दे दी है।

3. मेरा यह फरसा बहुत भयानक है; इसी फरसे से मैंने सहस्रबाहु नामक राक्षस की भुजाओं को काट डाला था। इसकी भयानकता से गर्भवती स्त्रियों के गर्भ भी गिर जाते हैं।

Schorbit